

हिलन कीद विविन ति डिगी स॥

॥ धनं ह्यसौ सनातनं वा पुनरपि ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ सर्वसुखनाम्ना सुखाय नमः ॥ ॥ शिवाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥  
 सुखीकान्तिस्तूतवन्ताः ॥ अथ गिरियश्रुतिस्तुत्वाद्यं संदूते सन्नत्रवति  
 महिल्युद्दिष्ट्या ज्ञानसुखेन ॥ ॥ नानादृशीयस्तुत्वावतिप्रसावति येष संद  
 नस्तनूनसिद्धमन्त्रि वामस्थनमन्त्रि कुरुनाजमाहान् आसीद्विस्वधनाञ्जन



सैनसन

विहनामयाय ॥ **सर्व** ॥ क्षमादाताज्जुअवस्यविहनामयास्यविकाकने ॥ **नाजा** ॥  
 क्षययस्यवति नसावति यणसुन्दर सनदत्र सिंहमनि वृद्धि सनमनि क  
 दुनाजमादान जिवा अंत कि देवा ॥ **सर्व** ॥ क्षमादाताज्जुअवस्यविका  
 कने ॥ दसुठग विधानयायदया नकि मद्रु जितिभवया कर्तु समानदा  
 नसश्याथथाद सैन्यसननामधया ॥ **सर्व** ॥ क्षमादाताज्जुअवस्यनस  
 ॥ **नाजा** ॥

खआस्यदस्यविकाक ॥ **सर्ववति** ॥ क्षमादाताज्जुअवस्यविकाकस्य  
 विक्रहने ॥ **नाजा** ॥ **क्ष** सुस्यवतिकनकाडा ॥ **सर्ववति** ॥ **स्वा** न  
 जिवन्मुमाथीद मिस्वायनवान कामकलाश्रुति सया नगीडा समान कलुस्ववस  
 यादगया जीववनदान सुस्यवतिनामदि सैन्यनयायान ॥ **नाजा** ॥ **क्ष**  
 स्ववतिसखा ॥ **नसावति** ॥ क्षमादाताज्जुअवस्यनजिवाश्रुकिदस्यविकाक



न॥ ॥ राजा ॥ हनसावति कनकाडा ॥ ॥ नसावति ॥ मयवमवमिसाडास  
दुर्गनकि लिह, जनाया थी निडवा, छिडावी नीति ठुचीठ, माहादव कि डिवा नवति  
डाडा थिठ, लाडा सयाडा थो नसावति थथिठ ॥ ॥ राजा ॥ हनसावति सत्य ॥ ॥  
सुन्दनस ॥ ॥ हमहा राजसेन सन डिवा अत कि ह स्यविज्ञा दून्या ॥ ॥  
राजा ॥ ॥ हवय सुन्दन सन कनकाडा ॥ ॥ सुन्दन सन ॥ अतिन सन दून्या

नरुया, दुस्वमसिमा, गनडान अनया सा, वद्वि सन लीया, सवक यातयन सान  
दुर्गनकि विद्या थथिठ सुन्दन सन धक नाम डिधाया ॥ ॥ राजा ॥ हवय सुन्दन  
सन सत्य ॥ ॥ मन्त्रि ॥ हमहा राजसेन सन डिवा अत कि ह स्यविज्ञा दून्या ॥  
राजा ॥ ॥ हदत सिह मन्त्रि, कनकाडा ॥ ॥ मन्त्रि ॥ मयवमव राजा या कदन  
कनडान्य, हिन्यधक डाडावी क, दाम काया डावीन, महा राजा या सवा सथीक



थयिहमन्त्रिदत्रसिंहजि॥ ॥ राजा॥ सुदत्रसिंहमन्त्रिसुख॥ ॥ मन्त्रि॥  
हमराजासैन्यस्यनजिह्वाभूतकिहस्यविज्ञादूने॥ ॥ राजा॥ सुवृद्धिस्यन  
मन्त्रिकनकाडा॥ ॥ मन्त्रि॥ चानिर्झिनसूमनया माघवदूयाकक्षान्यासास्त्रा  
मिसुदत्रस्यनकाद्विशसमानम्यवमेवमन्त्रियातजितीमदूखानवृद्धिस्यनवत्र  
अंगमसिंहासूनान॥ ॥ राजा॥ हमन्त्रिवृद्धिस्यनसुख॥ ॥ माहाना॥

हमराजासैन्यस्यनजिह्वाभूतकिहस्यविज्ञादूने॥ ॥ राजा॥ सुकठु  
नाजमाहानकनकाडा॥ ॥ माहान॥ स्वामिसेवासुनियूनं श्रीकातीशस्यस  
दाहथयिकठुनाजमाहजि॥ ॥ राजा॥ सुकठुनाजमाहानसुख॥ ॥  
राजा॥ ॥ सुसुखवतिरसावतिथनावाधा॥ ॥ राजा॥ हमराजासैन्य  
नश्रुवस्य॥ ॥ राजा॥ सुसुखवतिरसावतिश्रुपूर्वस्याजिनकनेकक॥ ॥



नानि॥ ह म हा ना ज से न्य स्य न अ ह द स्य वि धा कृ न ॥ ॥ ध न ॥ द स र्व न ॥ म  
रा ग ॥ स व र थ ॥ अ ता न ॥ न या न स न ग ल या का नि य ली ना म् ॥ ॥ नृ नृ अ दि व ड  
चा क ॥ नो क स र्व ध म ॥ य स र्व ति अ न द वि गु ध श्व री वा म् ॥ म दि नृ सि ह दे व  
या द स वि धा म ॥ ॥ ना नि ॥ ह म हा ना ज से न स्य न थ द स या ना ज रा र्व न न  
क स्य वि धा य मा न ॥ ॥ ना ज ॥ ह स र्व व ति न सा व ति ॥ अ र्व स न डिन क न्य

म र्वा क न म न ग स द द ॥ ॥ म ॥ ॥ ना ज स न ॥ ॥ ना ज ॥ क दा ना ॥ य ता न ॥ ना ज  
द क स र्व न स म दि नृ सि ह न या ॥ सा र नी ती स या ड ॥ का म लू य ध म या ॥ अ र्व न ति  
॥ ॥ ध नृ क व ना सि ध ड स द या ॥ न के ति य क श्व र ल य स य जा या क मा य ॥ ॥  
ना ज ॥ ह स र्व व ति न सा व ति ॥ य स र्व स न द न सि ह स ति व दि स्य न म ति क  
नु ना ज सा हा न् अ ड जि फी स्य न् ना क च चा या न ड न नू य ॥ ॥ स व ॥ ह म हा ना ज



सेनस्य न अत्र स्थविष्ठा दूने ॥ ॥ थन सेन्य स्य न राजा राज च वा या न डका म ॥  
राजा ॥ कना व ॥ ता न था ॥ अन नू या म लि मि डि दे स या वि वा न ॥ ला क स ना य के व  
अत्रा क व व हा न ॥ मे व या म लि क व क क या क न का ल ॥ ग ड य ति म लि ड सि ह ड  
ग न या सा न ॥ ॥ राजा ॥ चा म लि वा ॥ इ व ड कू न न वां या ड ड ॥ ॥ राजा ॥ म  
लि वा ॥ ह म हा राज से न्य स न ॥ अ ड डि य नी नि क ॥ ह हा या ड क त न नी ड न ॥ ॥

राजा ॥ ह य स स ड स्य न म लि वू डि स्य न द डि ड ड व दू नी ॥ ॥ स व ॥ ह म हा राज से  
न्य से न म थ न वि ष्ठा दू न ॥ ॥ ह स ड व ति न सा व ति म लि द न सि ह क ड ना ड  
मा हा न द डि ड व नू या ॥ ॥ लू ॥ ॥ थन राजा चा म लि वा नि क क त ड ड ति व न  
राजा ॥ ह या सा वू डि स्य न ॥ अ ड डि डि स ड क त न ड न नू या ॥ ॥ म लि ह म हा राज  
अ व स्य वि ष्ठा दू न ॥ ॥ म लि ह मा हा राज म थ न वि ष्ठा दू न ॥ ॥ राजा ह



२॥ देवासा कृद्वि स्य नथना स्व वि विष्णु मया य ॥ रुम हा ना ज नू स वि

पा सा कृद्वि स्य न अ व स नू या ॥ २ ॥ धन व स्या ड ड म ॥ **र** ॥ १ ना ठा ॥ मा नू वा ॥ ल  
क ता ग ॥ सू थ द न स ड व का स नी क या क ह य ॥ इ वा न सिय ड नि सिय ख हा ना क थ य ॥  
म न स अ नि रु ता य नू व वा क न य ॥ सू न न य नू व श क म ना यी ड ह य ॥ य नू व म द  
मि ष म डि ड स र ड य ॥ थ म दू ग म ह य क म दू न सान य ॥ ॥ व स्या ॥ अ ड डि न  
नि क या क न व का न नी ड न ॥ ॥ अ ड डि म थ न ड न ॥ अ ड डि न नी क या क न व नी

का य ॥ न व गु ड ति य न ॥ ना डा ॥ दे वा सा कृद्वि स्य न अ ड मि डि स क न न ड नू या ॥  
म नि ॥ रु मा ना ज अ व स्य वि षा दू ने ॥ ॥ ना डा ॥ दे वा सा कृद्वि स न दू व न यो स डि न क य  
क क न क य कि ड ॥ ॥ म नि ॥ रु म हा ना ज अ व स्या ॥ ॥ थ न ना डा यान् म नि  
वान् ध न यो व न व ड ॥ ॥ व स्या ॥ धी का न ना डा धि का न म नि क मि स य नो क  
न थ स म दू ला डि ध न यो स श क द न ना ॥ अ ड डि ड ड ड म हा ना जो या क अ न वा स



यातडान॥      ॥ राजाचा मन्त्रि जा॥ हलूयवति कनकूचा जिपस्य न कयकेधू  
ना॥      ॥ धनवावूचा उडाउडाग॥      ॥ धनवावून सत्रु अयमश॥      ॥ वासा॥  
हवावूकूधया हवावूनी सुकातजन समिडि सुधनवातवकूका उवित्र अडासि  
डि स्यन राजाया के विनगियात डाननूया॥      ॥ वावूहमयशू अवस्यनूया॥  
धनयस्यावावूचा निक्कतमन राजाया के उडा॥ गीवन॥      ॥ वावूहमयशू

धाननूया॥      ॥ वासा हवावूद डिडेनूया॥      ॥ धनराजाचा मन्त्रि चानिक्क थडा  
कडाड॥ गीवन॥      ॥ राजा हयासा वदिसून अडासि डि स्यन मसाराजायादन  
सनयातडाननूया॥      ॥ मन्त्रि हमसाराज अवस्यविष्काहन॥      ॥ मन्त्रि  
हमसाराज मथनविष्काहन॥      ॥ राजा हयासा वदिसूननूया॥      ॥ लूश॥  
धनसेन स्यन राजा उडा॥ दूधूम॥ २रागा॥ कोलाडा॥ गानका॥ डाननूया मन्त्रि



मिडिदसयाविवान् ॥ ॥ राजाशुयसुखवनि, नसावनि, मन्दिदनाहि  
ह, कुरुनाजमादान्, अडा मिडिदसु ननाकचयागठाने नूथो ॥ ॥ सुवे ॥  
हमसाताडसेन्यस्यन अयस्यविकादून ॥ ॥ सर्वहमसाताडमथानविका  
दून ॥ ॥ राजाशुसुखवनि, नसावनि, मन्दिदनाहिह, कुरुनाजमादान्  
डिडावे नूथो ॥ ॥ राजाशुसुखवनि, नसावनि, मन्दिदनाहिह, कुरुना

डमादान्, अडा मिडिदसु ननाकचयागठाने नूथो ॥ ॥ सर्वहमसाताड  
अयस्यविकादून ॥ ॥ धनमन्दिदनाहिह ननाकचयागठाने नूथो ॥ ॥  
कुडाह ॥ नियन ॥ ॥ मन्दिहमसाताडसेन्यस्यन अयस्यविकादून  
नाम अडा मिडिदसु ननाकचयागठाने नूथो ॥ ॥ राजाशुसुखवनि, नसावनि, मन्दिदनाहिह, कुरुना  
मन्दि अडा मिडिदसु ननाकचयागठाने नूथो ॥ ॥ मन्दि अडा मिडिदसु ननाकचयागठाने नूथो ॥ ॥



धन वे स्या डाडा वा वृ वा अडा तिव न ॥ ॥ व स्या ह वा वृ अडा जि डि सु ना डा या के  
 वि न ति या न डा नू नू या ॥ ॥ वा वृ ह म य अ अ व स्य नू या ॥ ॥ ह म य अ म थ न  
 नू या ॥ ॥ व स्या ह वा वृ द जि डा खे नू या ॥ ॥ वा स्या ह म ह ना डा से न्य से न क र वा  
 प्र स च न न सु डि पु ना म ॥ ॥ ना डा ह नू य व ति थ ना वा या ॥ ॥ व स्या ह म ह ना  
 डा अ व स्य ॥ ॥ व स्या ह म ह ना डा से न्य से न डि वि न ति इ व अ न कि ष स्य वि षा द

न॥ ॥ राजा हलूयवति कनकाडा ॥ १२ ॥ मि ॥ २ नागा ॥ कला ज ॥ तात्र गठन ॥  
 साकस जिमि सन गथमन हन्य ॥ इवन मरुडा धनया धनाम इवन्य ॥ धूतीरय  
 जितमदयक विदव्य ॥ राजा कुरुकन धान कनूनाद सन ॥ ॥ थनय स्या ॥ १३  
 या इव दका अ ॥ व्यात्रय लता ॥ ॥ राजा हलूयवति कुरुकन हना सयाया मन्त्रि  
 अ ॥ राजा जा अ ॥ वाय ठुनू अ ॥ मालय मया अ ॥ थूका ॥ ॥ वस्य हमदाता अ ॥ वसु

॥ नमो भगवते ॥



॥ राजा म अडा जिन थवक नवल गय सुनान रुय रुग डा कन का ॥ ॥ वस्य  
हमदा राज थवक नवल जिन काय कनवाल सचन न स डि घना म अडा जि थ  
अक स अ न्य ॥ ॥ राजा ॥ हनू वव गि द डि डा इवे दू नी ॥ ॥ थन वस्य न राजा  
चाडा म क्रिया डा रुय धक डा द ॥ तिवन ॥ ॥ थन राजा चाडा म न चाडा न  
क डा डा ॥ तिवन ॥ ॥ राजा रुका सा वृद्धि स्य न अडा मि डि स्य न राजा याद

न सन या ग डा न नू या ॥ ॥ म क्रि हमदा राज अ व स्य वि का दू न्य ॥ ॥  
वस्य रुवा व राजा चाडा म क्रि चा डा रुग डा न नू या ॥ ॥ वा वृद्धि म य अ अ व स्य  
नू या ॥ ॥ थन नाय ना क ॥ वस्य न म क्रि चा व रुया डा इव क द ॥ ॥ वस्य रु  
वृद्धि स्य न म क्रि रु थ ना म स न ॥ ॥ म क्रि हनू वव गि अ व स्य ॥ ॥ वस्य  
हम क्रि डि स्वा गत क्रि रु स्य दि स न्य ॥ ॥ म क्रि हनू वव गि क न द्वा डा ॥ म ॥



२ राग ॥ क रा ३ ॥ ता न र्व ३ ॥ अति सा क खानय के स कू का सि, सुख वृषि द्वा कडा  
अ अ या धा स री ॥ न ली स ता का कि ती थ अ इ वृ सी न ती य, थ थ क न रा स रा यि अ वा  
या द न्य कि ॥ ॥ वा स्या ह म क्रि ३ म्य व ता म इ वृ वा या दून कि ॥ ॥ धन  
वृ स्या न रा जा वा अ, म क्रि चा अ, द्वा स स इ व क का अ रा या अ अ ॥ ति य न ॥  
धन अ अ कून स ॥ रा जा ज्ञान म क्रिया के इ व कं क, हे म या सा नू व व नि य स्या न क

न के कू इ व क कू, डि क क ॥ ॥ म क्रि ह म रा ज नू व व नि य स्या न वा द न्य कि धा  
न ॥ ॥ रा जा ह या सा वृ द्वि स्य न, मू म रा ये द्वा स स क नी अ रा, कून डि म क  
नो कू या य ॥ ॥ म क्रि ह म रा रा ज नू च न थ इ व क्का त इ व अ ॥ ॥ इ व म क क  
ध क रा जा वा त म वा या अ, थ अ क अ क ॥ ति य न ॥ ॥ म क्रि ह मा रा रा ज म थान  
वि का दून ॥ ॥ रा जा ह या स द डि अ इ व नू मा ॥ ॥ वा वृ ह म य इ म थान



नूया ॥ ॥ वस्यारुवावृदजिज्ञेनूया ॥ ॥ राजावा मन्त्रिचरुमहा राज  
कनयालसवननसुजिघ्रनाम ॥ ॥ राजाहयूरसुन्दरसनवृक्षेस्यनेधनाव  
या ॥ ॥ राजावा मन्त्रिचरुमहा राज भूवस्य ॥ ॥ राजावाहमहा राजसे  
न्यसनधनाविष्काहने ॥ ॥ राजाहयूरसुन्दरसनभूवस्य ॥ ॥ राजावाहमहा  
राकनयालसवनजिगयायज्ञतसा मन्त्रिचरुनकेमात्र ॥ ॥ राजा ॥ हयूरसुन्दरसन

कायथार्थिद्वेहाद्यथिद्वेहायमस्य ॥ ॥ राजावाहमहा राजकनयालसवनध  
त्रीमयागसाजिनदसत्यागयाय ॥ ॥ राजाहयूरकनकेभूमरीगारुथज्ञतकाडाजि  
नकूयायभूवसनयायमस्या ॥ ॥ धनमाहानवीकाडाचाकानवानकनकादडांग ॥  
राजा ॥ हमाहानकडाकाडादडावाकाडाहयमात्र ॥ ॥ माहानहमहा राजभू  
वस्य ॥ ॥ धनचाधुनडाडामे ॥ १ नागा ॥ वरुनीया ॥ तानयनीमान ॥ नूयाडान



विदुर्हिंदो दाअन्यज्ञान् इव अनूयां चतुर्हिंदुः कियं कां न ॥ यननि स्यताय नू  
यासु ससूतगान् मावागास निमीनिनयस अनं मान ॥ ॥ माहास चतुर्हिंदु वि  
दुर्हिंदु माहा नाजा या कृष्णत इव सथथे अनं नूया ॥ ॥ दअनाह माहा रा कृष्ण  
दाजिडाइव नूया ॥ ॥ दअनाहा माहा रा कृष्ण मथान विदुर्हिंदु नूया ॥  
हचतुर्हिंदु विदुर्हिंदु दाजिडाइव नूया ॥ ॥ माहा नह महा नाज कृष्ण या न स

चतन सजियना म् कृष्ण या न स आस निन दना वनी वा ठाहिय धूना ॥ ॥ गाजा  
हकृष्ण नाज माहा न दाजिडाइव धना वाया ॥ ॥ दअनाहा माहा नाज गिवाहा  
नाजा ॥ ह दअनाहा कथना वाया ॥ ॥ दअनाहा माहा नाज दाजिडाइव नूया हा ॥  
नाजा ॥ ह कृष्ण नाज माहा न धना वाया ॥ ॥ माहा नह महा नाज अ व स्या ॥ ॥  
नाजा ॥ ह कृष्ण नाज माहा न कृष्ण मन्त्रि ना दअनाहा अहा ना कृष्ण ॥ ॥ माहा नह



[illegible]

हादात्र विउ सिंह द जिडा डे नू हा ॥ हादात्र हा मथ नू था हा ॥ हा किना हा द जिडा  
 डे नू था हा ॥ ॥ नाजा वा द म हा नाज अ डा जि भू द न नी डा न्य कू न था न या व न न  
 स जि व ना म ॥ ॥ ना ना ह वू र भू व स्य डि न प्र जा ना क मू न का डा कू य म ड्या ॥ ॥  
 ना जा ॥ हा मा हा न क न प्र जा ना क मू न का डा दि डा ॥ ॥ मा हा न ॥ हा म हा ना ज द जि डा  
 डे ॥ ॥ धन ना य ना डा डा द डा न धन ना य दि न ना य के धू न का डा नी हा डा द द डा ॥



पुजाय नीलाडा ॥ ती यन ॥ ॥ पुजा ह म हा ना ज क र वा न स च न न स रिव ॥  
नाजा ॥ ह पुजा ना क थ ना वा या ॥ ॥ पुजा ह म हा ना ज भू व स्य ॥ ॥ नाजा वा ह म हा  
ना ज क र वा लु च न न स डि यु ना म ॥ ॥ नाजा ॥ ह वृ ग द डि डे दू नी ॥ ॥ थना  
नाजा चान वे ला का या डी भू ह न डी क म ॥ ॥ १ नाजा ॥ सार ग न ॥ ना नृ ष ड गे ॥  
व ना हा चू सा ह नी नि न डी धा क या स, क थान व न स मि डि स डी डा डी भू ह न या

हा डी श्व य डी न नू या पुजा <sup>वि</sup> वा जी डा गु त ॥ ॥ नाजा ॥ पुजा ना क म डी मि डि  
स भू ह न डी न नू या ॥ ॥ पुजा ॥ ह मा हा ना ज भू स्य नू या ॥ ॥ पुजा ॥ ह म हा ना ज  
म थान वि छा दू न ॥ ॥ नाजा ॥ ह पुजा ना क व डि डा डे नू या ॥ ॥ नाजा ॥ सु श्व  
व नि, न सा व नि, म डी मि डि स्य न कू स्य न स मा चा न ठ डा डी थ न चो न्य ॥  
स व्वे ह म हा ना ज भू व स्य वि छा दू न ॥ ॥ थन से न्य स्य न नाजा य नि य ती क व न धा



८॥ ॥ लू३॥ ॥ न धानवगियायुनवस॥ म॥ ॥ २॥ ॥ वधमजनि॥ तात्र  
ल॥ यनवसु~~सु~~नधन्यवगिनामजिह्वा<sup>थ</sup>नाकसुया<sup>व</sup>काव<sup>व</sup>शुया<sup>व</sup>अचा<sup>व</sup>अनुतिम<sup>व</sup>तद  
॥ डवमासुतिनातमा<sup>व</sup>अवसुनाति<sup>व</sup>ताद<sup>व</sup>वननडु<sup>व</sup>शुया<sup>व</sup>या<sup>व</sup>हो<sup>व</sup>जीवन<sup>व</sup>थथि॥ ॥  
धन्यवनि॥ ह्यासात्रसिकवनि<sup>व</sup>गुनवनि<sup>व</sup>आ<sup>व</sup>अ<sup>व</sup>मि<sup>व</sup>जिसुथना<sup>व</sup>इ<sup>व</sup>चि<sup>व</sup>विष्णु<sup>व</sup>मनि  
याय॥ ॥ सुव॥ ह्यासाधनवनि<sup>व</sup>अवस्य<sup>व</sup>विका<sup>व</sup>हन्य॥ ॥ धन्यवनि॥ ह्या

सानसिकवनि<sup>व</sup>गुनवनि<sup>व</sup>जि<sup>व</sup>इवा<sup>व</sup>अतकि<sup>व</sup>ठिठ॥ ॥ सुव॥ ह्यासाधनवनि<sup>व</sup>अ<sup>व</sup>ह्यद  
सुविका<sup>व</sup>हन॥ ॥ धनवनि<sup>व</sup>डवमानयतिनातमा<sup>व</sup>अवसुनाति<sup>व</sup>ताद<sup>व</sup>नाकसुया<sup>व</sup>  
काव<sup>व</sup>शुया<sup>व</sup>अचा<sup>व</sup>अनुतिम<sup>व</sup>तद<sup>व</sup>वननडु<sup>व</sup>शुया<sup>व</sup>या<sup>व</sup>हो<sup>व</sup>जीवन<sup>व</sup>थथि<sup>व</sup>ठ<sup>व</sup>मानकका  
स्यानधन्यवगिनामजिह्वा<sup>व</sup>॥ सुव॥ ह्यासाधन्यवनि<sup>व</sup>सत्य<sup>व</sup>आ<sup>व</sup>इदस्य  
वीका<sup>व</sup>क॥ ॥ नसिकवनि॥ ह्यासाधन्यवनि<sup>व</sup>जि<sup>व</sup>इवा<sup>व</sup>अतकि<sup>व</sup>ठिठस्य<sup>व</sup>विका<sup>व</sup>हन



धनवति॥ हयासात्रसिकवति कनकाडा॥ ॥ तसिकवति, नूवजडहनसि  
रान्, ताकडिगुनसीनन, कताकडाडुकविशान, तसिकवतिनामनी॥ ॥

धनवति॥ हयासात्रसिकवति सत्य॥ ॥ गुनवति हयासाधन्यवति जिस्वा  
जुतकिहस्यविकाहून्य॥ ॥ धनवति॥ हयासागुनवति कनकाडा॥ ॥  
गुनवति॥ गुनसिनीनाताक, स्वातनचन्द्रमाडति, नूयनीडि तति स्वतना

मनजिगुवति॥ ॥ धनवति हयासागुनवति सत्य॥ ॥ धननाकस  
डाडाम॥ ॥ शत्राग॥ वराती॥ पुतात्र॥ हितानेतायेनेद्विथं थूतीडिकाम,  
तमनरुतकुजिमनेगुनीमम॥ अथनरुसदं कडिगानविसनाम, ताक  
सयाताडाडिघनधाननाम॥ ॥ नाकस॥ आडाडिकूरीधन्यवतियाधस  
डान्य, आडाडिमधनडान्य॥ ॥ नाकसहयूरीधनवति॥ ॥ सुध॥ हमा



हा राजघनघात करवात सवनन सजिबुता स, थना विष्कादून ॥ ॥ नाकमा  
हवशी धन्यवनि भूवस्य ॥ ॥ नाकमा ॥ हवशी धनवति भू अजिनि  
थ अहक माननी अन ॥ ॥ सर्व ॥ हमहा राजघनघात भूवस्य विष्कादून ॥ ॥  
नाकसन नसा मागडी ॥ जाक ॥ नाकमा ॥ अजिनि थ अहक माननी अन ॥ अजि  
मथन अन्या ॥ ॥ धन राजाचा मन्त्रिचा ब्रह्मडाडा ॥ हथूम ॥ ॥ शरागा ॥ सारंग ॥

वज्रगितात ॥ चना हा कसा हनीत अ धाक यांस ॥ ॥ राजाचा ॥ हयडा नाकमिजि  
स भूहन अन नूपा ॥ ॥ पुजा ॥ हमहा राज भूवस्य विष्कादून ॥ ॥ पुजा ॥ हमहा रा  
जमथन विष्कादून ॥ ॥ राजाचा ॥ हयडा नाकमिजि अडेनूपा ॥ ॥ धन ब्रह्मया  
का ॥ ॥ चना अडा विचाननीक ॥ ॥ राजा ॥ चनान दूक यद ॥ ॥ धन पुजा नाकमि  
दअन ॥ ॥ धन राजान धनवति इवडा माहडा विनहन नीलाडाडा तिवन ॥



गङ्गापतिमहिम्नसिंहं क्लान्तवचननयनं विष्मतायात्रचनानलायीडाडवचन  
कन॥ ॥ सुव॥ श्यासाधन्यवतिमथनविष्काहने॥ ॥ धनवतिहयासा  
ब्रवस्यनूया॥ ॥ सु॥ वृत्तिपुथजुंका॥ ॥ धनवत्यायनम॥ सुन्यम॥  
धाम॥ वहाचनी॥ नात्रद्वर्जति॥ उगगसैजतिनृत्यनाथमरुसु॥ ॥ धन  
सैन्यमनराजापनीभनकात्रनडां॥ ॥ राजा॥ सुखवतिनसावतिभ



अजिजिसंपूर्णसुंदरस्यनयासमाचारकदाअथर्ननिचार्न॥ ॥ सुधैरुसदाया  
अभवस्यविकाकन॥ ॥ राजा॥ सुधीयसुधवर्गितसावति कननूपगुनस्य  
काडाजिअतिमूर्धश्रयअस्वभूतकिंज्ञायकनकका॥ ॥ तानि॥ सुसुंदरस  
सिकयूनस्वमूमात्रमदूस्वआस्वादस्यविकाक॥ ॥ यनर्गभत्र॥ म॥ श्रगा॥  
वसगला॥ तात्रयतात्र॥ नृपस्यकाजकन॥ ॥ ॥ ॥ सति कनविनतिनजिवचन

कदासुंदरीसुधसात्रसदान् पत्रचंद्रमायावान् <sup>मी</sup> स्वास्वादयनस्वान् कनक  
नयडाअवतात्र॥ सिंधयाथिजश्रवतिजगतजानिकि सीयाथकअनवील  
नविअलाविनिर्णयनिकनयायजिनकस्वायामात्र॥ ॥ तानि॥ सुसुंदर  
ससिकयूनस्वकनयालसवचनअमृतनसताकान् मननमगनश्रयडावि  
नतिस्वाभूतकिंज्ञायतकादस्यविकाप्रमात्र॥ ॥ राजा॥ सुसुंदरीकनका



ॐ ॥ तिनीडकी ॥ म ॥ धनाग ॥ त्वनथ ॥ तात्रवाडा ॥ यत्रय्यवकाडाजिकेवचनप  
मान ॥ ५२ ॥ कामवसुशयानि विनतिदहन्ययत्तु गयमानथूठुलीयनान ॥  
यत्रय्यसुंदनय्यस्य जिमननु किष्कडास्य वियमानभ्रडा नतिदान ॥ नतियाय  
तिडाडति जिमनसुप्रानवति नय्यलपियुनिननान ॥ सहित्ताकिमीपति महिदु  
सिरुदव अवलयात्रय्यत्रयिमान ॥ ॥ ५३ ॥ ६ सुय्यवति नसावति स्याड

निजिस्त्वनस्ववि विष्णुमनीयाय ॥ ॥ नानी ॥ हस हा नाज भूव स विजा दुन्या ॥  
 धन राजा वा अरु नर्न त्रि हा उ उ ॥ तिवन ॥ ॥ राजा वा ॥ हस ~~ही~~ नाज क न या न स  
 च न न स डि पु ना ॥ ॥ राजा ॥ ह य उ स द न स न थ ना वा या ॥ ॥ राजा वा ॥ हस हा  
 नाज भूव स ॥ ॥ धन राजा जान व व या क म नि जा हा ॥ ॥ राजा वा हस हा  
 नाज डि या सा वू द्वि स न वि स वि का य मा न ॥ ॥ राजा ॥ ह य उ स द स डि न जा क न



क. अन्धग गच्छ कुन वल नथे स्यात् के धना भूडा जिन गान काया डा विद्या ॥ नाज  
चा रुम हा नाउ डव्य नया था स जिमन भूहान रुया भूडा कन घा व स्यन क्रिया दस  
विज्ञायमान ॥ ॥ नाज ॥ हयूर क अम त्रिगा कुन के रुग रुग डा डा द डी नाया  
क श्वन कन काय ॥ ॥ हक रुताउ माहान कडा डा डा द व लाया के म क्रिया  
विज्ञान याग हुनी ॥ ॥ माहान रुम हा नाउ भूवस ॥ ॥ माहान न म क्रिया द ड

त्राया क श्वन डी द व न ॥ ॥ ॥ धन ना डा य नि स क र्य भूग पूत डा डा ॥ कथम  
॥ ॥ ॥ रागा ॥ की ना डा ॥ नात्र चा डा ॥ डानु नूया म क्रि जि डि द स या विज्ञान ॥ ॥ क  
न ल सा डा डा ॥ ॥ ल ॥ ॥ धन द डी गान म क्रि वा स्या य रु डा ॥ मा के ॥ ॥ कन ल सा  
डा डा ॥ ॥ द डी ना ॥ नयल वृद्धि स्यन म क्रि म हा ना या आ स्या न कन डि डा का य रु  
ना कन रुम म न यत दा हा रुम न वि डा हा ॥ ॥ म क्रि वा रु दे व व जिन कूड पा







थनदर सिंहमलि डाक्षितिवना कूनलसाडाडा ॥ २  
जायनिडाडा ॥ **दुधमि** ॥ ॥ **रागा** ॥ **कनाडा** ॥ **नानाडा** ॥ **अन्यनूयामलिमिडिद**  
**सयावियान** ॥ ॥ **कूनलसाडाडा** ॥ २ ॥ **अनमादाननमलिवादेअनासंधान**  
**वाकाडाडा** ॥ **तियन** ॥ **कूनलसाडाडा** ॥ ॥ **मादानरुमलानाजकनयासनस**  
**चनमसजियन** ॥ ॥ **राजा** ॥ **रुकुतनाजमादानवृद्धिसनमलीदडागालोक**  
**थानावाया** ॥ ॥ **सवे** ॥ **रुमलानाजअवस्य** ॥ ॥ **थनदडागानदाडाडा** ॥

राजा ॥ **रुकुतनाजमादानदडागानीरुदामवियाडाडा** ॥ ॥ **मादानरुमलाना**  
**अवस्य** ॥ ॥ **दडागानागदामवियाडाडा** ॥ **कुक** ॥ **दुधमि** ॥ ॥ **रागा** ॥ **वरुतीया** ॥ **नान**  
**वनीमान** ॥ **नूयाअन्यविठुसिंहजाकाडागान** ॥ ॥ **कूनलसाडाडा** ॥ ॥ **थनरा**  
**जानमलीवानडाका** ॥ ॥ **राजा** ॥ **रुकुतसुन्दरस्यनकूनयासावृद्धिस्यनकाडा** ॥  
**राजा** ॥ **रुमलानाजअवस्य** ॥ ॥ **राजा** ॥ **रुवासावृद्धिस्यनथनावाया** ॥ ॥ **मली**



का॥ हमदाता अक्षय॥ ॥ धन अक्षय काया क॥ ॥ सर्व॥ हमदाता सेन्य सन  
अक्षयिनी अक्षय अक्षय कन धन सचन सचि प्रनाम॥ ॥ राजा॥ हमदाता  
न सन मक्षि यक्ष सन दक्ष अक्ष दूनी॥ ॥ धन राजा का मक्षि यक्ष अक्षय अक्षय॥ म॥  
धन्या गोली॥ राजा का॥ अक्षय सचि धन का कक्ष कक्ष दया अक्षय नूनी हमदा  
न मिक्षि निक्षय का॥ अक्षय नीक्षय यक्षि दया दया अक्षय सावित्र दक्षय अक्षय

निक्षय का॥ ॥ राजा का॥ हमदाता वक्षि सन अक्षय मिक्षि सचि अक्षय नीक्षय याथ स  
क्षय अक्षय नूनी॥ ॥ मक्षि यक्ष॥ हमदाता अक्षय सचि सन अक्षय विक्षय दूनी॥ ॥  
कन लक्षय अक्षय॥ ॥ धन राजा यक्षि सचि यक्षि कक्षय नक्षय॥ ॥ मक्षि सचि अक्षय॥  
॥ सचि॥ ॥ धन धन यक्षि यक्षि अक्षय॥ दक्षय॥ ॥ राजा का॥ वक्षय गला॥ नक्षय अक्षय॥  
सचि सचि अक्षय नूनी मिक्षि सचि सचि॥ ॥ कन लक्षय अक्षय॥ ॥ मक्षि सचि अक्षय॥ ॥



थनराजाचामन्त्रिचाडाडा॥ तियन॥ कनरासाडाडा॥ ॥ राजाचामन्त्रिचाडा  
गुह्यनीधन्यवनि॥ ॥ धन्यवनि, हमाहायनूडव, थनासासन॥ ॥ राजाचामन्त्रि  
चा, हगुह्यनीधन्यवनि, कनकात्रनल, डियनीडाया॥ ॥ धन्यवनि, हमाहायनू  
डवनि, कमिह्यनममनिनाधननाडा, हूहूधिना, कसवास्याडा॥ ॥ राजा  
चामन्त्रिचा, हगुह्यनीधन्यवनि, अयस्य॥ ॥ थनराकसडाडा॥ माक॥

कनरासाडाडा॥ ॥ थनराकसनकससनडू, यसाडा॥ ॥ हवेहमसना  
डधनधनकनधनसचलनस, डियनामधनाविकाहून्य॥ ॥ राकसहपू  
धन्यवनि, अयस्य॥ ॥ थनराकस, राजाचामन्त्रि, राजनयानकू॥ ॥ धन्यवनि  
हमाहाडधनधन, राजनयानस्यविकाहून्य॥ ॥ राकसहपू, धन्यवनि, अ  
यस्य, राजनयानस्य॥ ॥ धन्यवनि, हमाहायनूडवनि, राजनयानस्यविका



दू न्य ॥ ॥ सुवे ॥ ॥ ह धानवति अवस्यता जनयाय मडव ॥ ॥ राक सहवृषा धानवति  
कमन उदा ॥ ॥ धानवति ह म हा राज धन धान क न या से आगम का या गुनी  
वा त उदा ॥ ॥ धन राक मन का च न न ग र स त या डा सु क ल द द ॥ ॥ धन  
राजा या म क्रिया नि क सा द गि या क ॥ ॥ राजा या ह या सा वृ द्धि स्य न क थ ना नि  
वा द जि न उ शु द्ध त्री या थ स नी श्व र उ न ॥ ॥ म क्रिया क्ष मा हा राज सृ द्ध स्य न न

जिन धान्यवति का स्य ह य म ड्वा जि न नी श्व र उ न्य क न या र वि का य मू ना न ॥ ॥  
राजा या ॥ ह या सा वृ द्धि स्य न अव स्य ॥ ॥ म क्रिया ह धानवति क न धा न थ ना वि का  
दू न्य ॥ ॥ धान्यवति क्ष मा हा पू न ड्वा जि ड य म जि ड जि व वृ द्ध न न वा या ॥ ॥  
म क्रिया ॥ ह धान्यवति क ह ता स वा य मू मा न कू ठा थ यान अ थ च ॥ ॥  
धान्यवति क्ष मा हा पू न ड्वा क व नि मि ड न जा ति जि ता हा थ यान स य ड म ड्वा ॥ ॥



मन्त्रीणां हृद्यदीक्षान्यवति कृष्णाय चानि अथ चानि मत्वा धनात्वाया ॥  
धनमन्त्रीन धान्यवतिराजायायासक्त  
सुहृदा ॥ ॥ धनवति हंसदाभाठ हृद्यदीक्षान्यवति कृष्णाय चानि मत्वा धनात्वाया ॥  
राजाया ॥ हृद्यदीक्षान्यवति अथापि डि सुधडा ना अ डान्यनूया ॥ धन ॥ धनवति  
जादाडा नाजा चाथडा ना अ डाने धकडा ॥ नित्यन ॥ कनरासाडा ॥ ॥ धन

नाकसुनक्षत्रनचाडा ॥ ॥ नाकसुनक्षत्र हंसदाभाठ हृद्यदीक्षान्यवति कृष्णाय चानि मत्वा धनात्वाया ॥  
कृष्णाय चानि मत्वा धनात्वाया ॥ ॥ मन्त्री हंसदाभाठ हृद्यदीक्षान्यवति कृष्णाय चानि मत्वा धनात्वाया ॥  
कृष्णाय चानि मत्वा धनात्वाया ॥ ॥ नाकसु हंसदाभाठ हृद्यदीक्षान्यवति कृष्णाय चानि मत्वा धनात्वाया ॥  
वत् अथवा डि ननयत्राकनक्षत्राया ॥ ॥ मन्त्री हंसदाभाठ हृद्यदीक्षान्यवति कृष्णाय चानि मत्वा धनात्वाया ॥  
न धान् कृष्णाय चानि मत्वा धनात्वाया ॥ ॥ नाकसु हंसदाभाठ हृद्यदीक्षान्यवति कृष्णाय चानि मत्वा धनात्वाया ॥



[illegible]

नूया ॥ ॥ सवे ॥ ह म हा ना ज घ न धा न भू व स्य वि का द न ॥ ॥ क न हा सा अ ॥  
 ॥ ल ॥ ॥ थ न नां जा चा, धान्य व नि उ उ ॥ नि व न ॥ ॥ क न हा सा अ ॥  
 म ॥ ॥ ना जा वा ॥ ह शु द नी धान्य व नि जि य भू त कि न स न च का कि  
 व ॥ ॥ धान्य व नि ह म हा ना ज स न्द स्य न मू ना न म दू वा भू स्य द स्य वि का क ॥  
 थ न भू ग म न ॥ म ॥ ॥ थ ना ग ॥ व थ म ज नि ॥ ना न ल ॥ स द नी क न यि नी ति



न पाश त्रसदान ॥ ६४ ॥ स्वात्रयद्विचदमायानि स्वावतद्वतवान् कृश्व  
न जिमदतिष्मन ॥ वनसकन कि हाउनगात्राहमनन स्वस्यनिसमनन  
नश्मन ॥ ॥ तीनिदति ॥ - जिथिवद स्वदानवधवालकिचित्तान्नर्ज  
गत्रस्वादानजिथन ॥ माहात्राजकूसयीडात्रसजितवन ॥ मूननेथ  
मिस्वादिह स्वात्रलाक्षवतिवान् विधातानयाता कि जिधान साहान

जा ॥ लाककसहिद्वसिहजगवति सूवचन निक्कन कृगुत्राशुलगा  
न माहात्राज ॥ ॥ मधरासाड ॥ ॥ थनराजावाधन्यवति निक्कववया ॥ (क)  
दुनसनयाताड ॥ निवन ॥ ॥ कूनरासाड ॥ ॥ ॥ थनसेन्यस्यनरा  
जावनि यलीकवनडाडा ॥ ॥ मधरासाड ॥ ॥ थनराजावाधन्यवति निक्क  
डाडा ॥ निवन ॥ ॥ कूनरासाड ॥ ॥ नाजावाधन्यवति हसरात्राजसेनस्यन



माहात्राणि कुरुतात्तत्र न सञ्जिघ्रताम् ॥ ॥ राजाज्ञानि हृदयं सङ्घस्य न  
क्षान्यवन्ति यथा वाया ॥ ॥ राजाचाक्षान्यवन्ति हृदयं राज्ञः भूवस्य ॥ ॥ यत्न  
श्रुतं न दूतं वा दयद ॥ ॥ यत्नं दत्तं कर्तव्यं ॥ दत्तं ॥ ॥ यत्नं दत्तं कर्तव्यं  
मानकं श्रुतं ॥ ॥ यत्नं मन्त्रिणां न राक्षसं राजाया हनता दयद ॥ दत्तं ॥  
राजा ॥ विराट् ॥ पुनर्गाल ॥ अन्यनूया दनधो न लाजाया सहास ॥ ॥ कर्तव्यं

साठ ॥ ॥ मन्त्री न हृदयं राज्ञः सेनस्य न मन्त्राजं सङ्घस्य कुरुतात्तत्र न स  
ञ्जिघ्रता ॥ ॥ राजा ॥ हृदयं स्य न मन्त्रिणां न यथा वाया ॥ ॥ राजा स  
पूरी क्षान्यवन्ति ॥ ॥ क्षान्यवन्ति हृदयं राज्ञः दनधो न कुरुतात्तत्र न स  
ञ्जिघ्रता यथा विष्कादय ॥ ॥ राजा स हृदयं क्षान्यवन्ति भूवस्य ॥ ॥ राजा स  
हृदयं राज्ञः सेनस्य न यथा विष्कादय ॥ ॥ राजा ॥ हृदयं राज्ञः दनधो न भूवस्य ॥



नाकसहस्रराजाज्ञसेनस्यनसुन्दस्यनयागपूणीक्षान्यवगिकन्यादानवियन  
था॥ ॥राजा॥हमराजाज्ञघनघानश्रवस्य॥ ॥राजा॥हवृणसुन्दस्यनथना  
वाथा॥ ॥राजाचा॥हमराजाज्ञसेनस्यनश्रवस्य॥ ॥नाकसहस्रपूणीक्षान्य  
वगिअनावाथा॥ ॥क्षान्यवगिहमराजाज्ञघनघानश्रवस्य॥ ॥नाकस  
हमराजाज्ञसेनस्यनश्रवस्य॥ ॥अजिजिस्यनकन्यादाकवियनूथा॥ ॥राजा॥हम

राजाज्ञघनघानदडिडाश्वनूथा॥ ॥वानसुन्दस्यनयागक्षान्यवगिक  
न्यादानविडा॥ ॥क्षान्यवगिहयाननाथसुन्दस्यनकनयालसचननसडि  
प्रनाम॥ ॥राजाचा॥हवासाकद्विस्यनथनावाथा॥ ॥मन्त्रीहमराजाज्ञसुन्द  
स्यनश्रवस्य॥ ॥राजाचा॥हवासाकद्विस्यनकनदयानडाशुन्दरीक्षान्य  
वगिडाक्षान्यधूनाअडाकनगडिनकूयायमूधराक्षथवतागीकाडा॥ ॥



मन्त्री ह म हा ना ज सृष्ट्य न कृ न पा ल या कृ या द डि वि ॥ ॥ ना क स ह वृ द्वि  
स्य न मन्त्री थ ना वा या ॥ ॥ मन्त्री ह म हा ना ज ध न धा ल श्र व स्य ॥ ॥ ना क स  
ह वृ द्वि र सि क व ति गु न व ति थ ना वा या ॥ ॥ स ह म हा ना ज ध न धा न श्र व  
स्य ॥ ॥ ना क स ह वृ द्वि स्य न मन्त्री कृ न स ल ध र्म जि न श्र व य ध नो अ उ डि न कृ  
या य थ वृ द्वि र सि क व ति गु न व ति नि कृ कृ न त का उ ॥ ॥ मन्त्री ह म हा ना

अद्य न धान अथ स्य कृत धाल सुकृपा ॥ ॥ नमि कवति नुन वति ॥ द्रष्टान नाथ  
 कृत्त न स जिगिव ॥ ॥ धन स्वक्त स्य न राजा या के वला का या अथ अके  
 अह ॥ ॥ मकी क्षमा सा ज्ञा ज्ञ सैन्य सैन धन धान सुख स्य न कृत धाल जनन  
 स जि य ना म ॥ ॥ सप्त ॥ सुदुष्टि स्य न म कि द जि अ वि दूनी ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ यथ  
 स वनी ॥ पुन ता न ॥ मन स अद शत शृङ्गरी अमन स अमन द शत ॥ ॥ ॥ अन



नूया मिडि लिखन सन दकाडा, रायभूना आडा जिनडा सया कवान॥ नरवतिम  
हिडु सिंहा वचन दकाडा, गिन्यसेन वसया डायन स्वसियाडा॥ ॥मन्त्रि  
हनसिकवति, गुरुवति आडा मिडि स आनंदन थडा कडा न्यनूया॥ ॥सर्वे॥  
व्याननाथ अरुव स्या सासने॥ ॥कूनरासाड॥ ॥नाडा॥ हसुस्ववति रसा  
वति, पूण सुंदर सन धन धान, धान्यवति, दन सिंदर मन्त्री, कडुनाड साहान आ

अमिडि सन धर्मचक्रायागडा न्यनूया॥ ॥सर्वे॥ हसहागाज सेन्य सन अ  
वस्य विष्ठा हन्य॥ ॥धन सुकन्य धर्मचक्रायागडा ॥म॥ ॥२॥ नागा॥ धी॥ नाग  
लडा॥ ॥अन्यनूया आडा मिडि सन मूढाडा, रुगनिन रुजन थि नृस्य नाथा लडा  
अन्यनूया॥ गजयमि स हिडु सिंदर सन दकाडा, असुवन सादन मनान थ  
नाडा॥ ॥कूनरासाड॥ ॥२॥ नागा॥ वचम॥ नाग थक॥ दूजे अग्निनीव



सर्ववर्तनयार्त्तकालिकद्वयवर्त्मिन्नादित्यवान्॥ मद्गान्ध्यायनध्वक  
क्षुमूढाडानृत्यनायप्रिगित्सनदकाडा॥ ननयतिमहिन्दुसिंदयाताजस  
तासुधन्यवतिव्याध्वनसयाकायनगमस॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ कादिक  
द्वयवर्त्मिन्नायपूषनकणसूत्रजाता॥ आदित्यवान्॥ तद्वदेवहृदयनूद्यसि  
हलानानधन्यवतिव्याध्वनयासूनीसिधयकाशना॥ दीर्घमायनम्॥ ५१॥







ॐ श्री गुरु